



21 Feb 2026

07:17 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121349915

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 21/02/2026
दिन _____: शनिवार
जन्म समय _____: 19:17:00 घंटे
इष्ट _____: 30:56:04 घटी
स्थान _____: Delhi
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:39:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 18:55:52 घंटे
वेलान्तर _____: -00:13:37 घंटे
साम्पातिक काल _____: 05:01:51 घंटे
सूर्योदय _____: 06:54:34 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:15:20 घंटे
दिनमान _____: 11:20:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: वसन्त
सूर्य के अंश _____: 08:42:50 कुम्भ
लग्न के अंश _____: 22:59:00 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी _____: मेष - मंगल
नक्षत्र-चरण _____: अश्विनी - 1
नक्षत्र स्वामी _____: केतु
योग _____: शुक्ल
करण _____: बव
गण _____: देव
योनि _____: अश्व
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: चतुष्पाद
वर्ग _____: सिंह
युँजा _____: पूर्व
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: चू-चूड़ामणि
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मीन

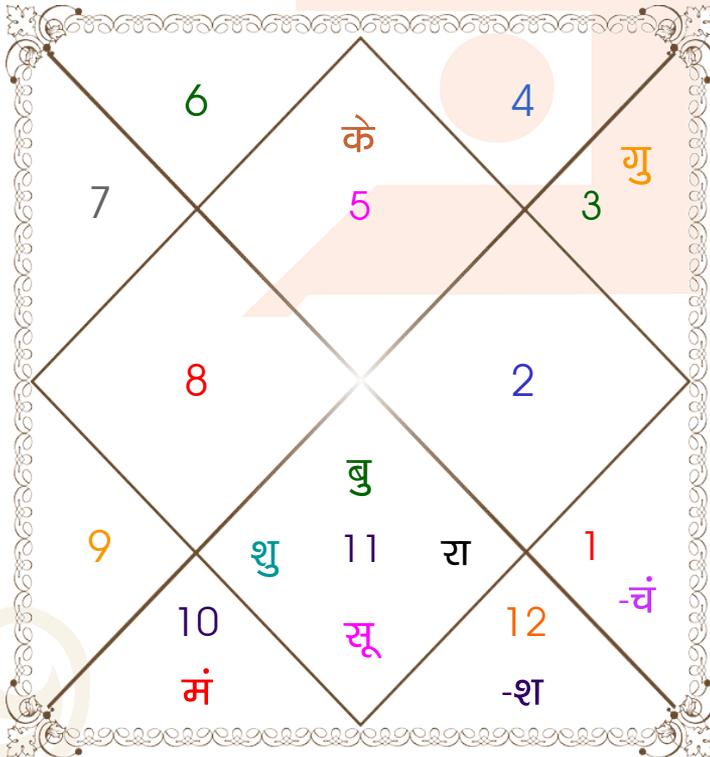
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	22:59:00	316:52:18	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
सूर्य			कुंभ	08:42:50	01:00:28	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	00:05:51	13:59:07	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	सम राशि
मंगल	अ		मक	28:40:08	00:47:16	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	उच्च राशि
बुध			कुंभ	26:32:54	00:44:42	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:21:56	00:03:25	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	19:43:19	01:14:59	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	मित्र राशि
शनि			मीन	06:37:44	00:06:55	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु			कुंभ	14:44:28	00:00:41	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:44:28	00:00:41	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:22:14	00:00:55	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:33:30	00:02:04	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:06:05	00:01:44	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	22:23:37	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	--

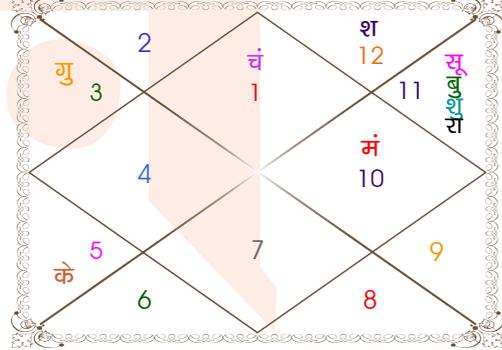
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:27

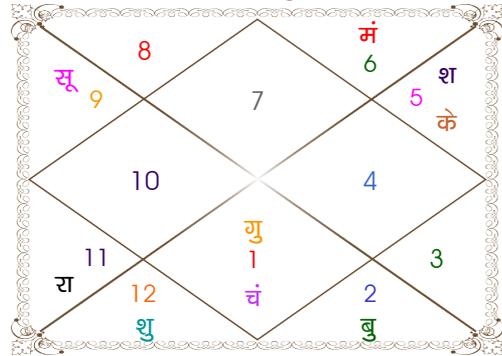
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 11 मास 11 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
21/02/2026	02/02/2033	02/02/2053	03/02/2059	02/02/2069
02/02/2033	02/02/2053	03/02/2059	02/02/2069	03/02/2076
केतु 02/07/2026	शुक्र 04/06/2036	सूर्य 23/05/2053	चंद्र 04/12/2059	मंगल 02/07/2069
शुक्र 01/09/2027	सूर्य 04/06/2037	चंद्र 22/11/2053	मंगल 04/07/2060	राहु 20/07/2070
सूर्य 07/01/2028	चंद्र 03/02/2039	मंगल 29/03/2054	राहु 03/01/2062	गुरु 26/06/2071
चंद्र 07/08/2028	मंगल 04/04/2040	राहु 21/02/2055	गुरु 05/05/2063	शनि 04/08/2072
मंगल 03/01/2029	राहु 05/04/2043	गुरु 10/12/2055	शनि 04/12/2064	बुध 01/08/2073
राहु 21/01/2030	गुरु 04/12/2045	शनि 21/11/2056	बुध 05/05/2066	केतु 28/12/2073
गुरु 28/12/2030	शनि 02/02/2049	बुध 28/09/2057	केतु 04/12/2066	शुक्र 27/02/2075
शनि 06/02/2032	बुध 04/12/2051	केतु 03/02/2058	शुक्र 04/08/2068	सूर्य 05/07/2075
बुध 02/02/2033	केतु 02/02/2053	शुक्र 03/02/2059	सूर्य 02/02/2069	चंद्र 03/02/2076

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
03/02/2076	03/02/2094	04/02/2110	03/02/2129	04/02/2146
03/02/2094	04/02/2110	03/02/2129	04/02/2146	00/00/0000
राहु 16/10/2078	गुरु 23/03/2096	शनि 06/02/2113	बुध 03/07/2131	केतु 22/02/2146
गुरु 11/03/2081	शनि 04/10/2098	बुध 18/10/2115	केतु 29/06/2132	00/00/0000
शनि 16/01/2084	बुध 10/01/2101	केतु 25/11/2116	शुक्र 30/04/2135	00/00/0000
बुध 04/08/2086	केतु 17/12/2101	शुक्र 26/01/2120	सूर्य 06/03/2136	00/00/0000
केतु 23/08/2087	शुक्र 17/08/2104	सूर्य 07/01/2121	चंद्र 05/08/2137	00/00/0000
शुक्र 23/08/2090	सूर्य 05/06/2105	चंद्र 08/08/2122	मंगल 02/08/2138	00/00/0000
सूर्य 17/07/2091	चंद्र 05/10/2106	मंगल 17/09/2123	राहु 19/02/2141	00/00/0000
चंद्र 15/01/2093	मंगल 11/09/2107	राहु 24/07/2126	गुरु 28/05/2143	00/00/0000
मंगल 03/02/2094	राहु 04/02/2110	गुरु 03/02/2129	शनि 04/02/2146	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 11 मा 12 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभान्श आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उद्देश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियो, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरुस्त प्यारी संतान से युक्त आपका पारिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृत्ति के पुरुष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यान्वयन अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यान्वयन समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क हैं। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदतें डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।